

[illegible]

स्वाहा ॥ हुं नि नि स्वा व न्म मरु ॥ अथ भान विधि ॥ तो ये कु ल च कं ति को न वृ क् च वृ न्म नि
 वा न म ॥ हुं वृ क् हुं सि धि का म क न्म स्वा हा ॥ वृ न्म वृ न्म वि लि ख वा म रु क् ना क ड अ
 हि म रु य ॥ हुं सर्व द ॥ पु स म ति म ना य क ष ति स व ति थ रि ष के क नू २ ॥ स्वा हा ॥ रु ठ
 हुं रु ठ स्वा हा ॥ हुं ति या नि मू ड या ॥ हुं हुं स्वा हा ॥ हुं ति क ल स मू ड ॥ हुं क र्वा हा ॥ हुं ति ॥
 नू मू ड ॥ हुं रु ठ हुं क र्वा हा ॥ हुं ति या नि मू ड ॥ अ हि सि व य ॥ हुं पु य न म पु नू त र्म या मि
 स्वा हा ॥ हुं ता म ये पु न म ष्टि हुं न र्म या मि न म स्वा हा ॥ हुं मु ख म हा म हा का म ना ना न र्म या मि
 न म स्वा हा ॥ हुं न र्म या मि स्वा हा ॥ हुं न र्म या मि न म स्वा हा ॥ हुं न र्म या मि न

८३

म स्वा हा ॥ हुं ति नि धा त र्म या ॥ हुं अं ख हुं मूल म रु य नि मू ड ॥ ति क र्वा हा ॥ हुं ति भान विधि ॥
 ॥ अथ विधि ॥ हुं क र्वा हा ॥ हुं ति वि रु ति य न ॥ म रु ॥ हुं क र्वा हा ॥ हुं ति य स द नि वा य म हा या न
 त य वि रु ति य त य हुं रु ठ स्वा हा ॥ हुं ति अ हि म रु न ॥ हुं क र्वा हा ॥ हुं ति य स द नि वा य म हा या न
 ॥ हुं क र्वा हा ॥ हुं ति य स द नि वा य म हा या न ॥ ल ला ॥ हुं क र्वा हा ॥ हुं ति य स द नि वा य म हा या न
 व स क य स्वा हा ॥ रु ठ ॥ हुं क र्वा हा ॥ हुं ति य स द नि वा य म हा या न ॥ व र्मा ॥ हुं क र्वा हा ॥ हुं ति य स द नि वा य म हा या न
 क र्वा हा ॥ रु ठ ॥ हुं क र्वा हा ॥ हुं ति य स द नि वा य म हा या न ॥ व र्मा ॥ हुं क र्वा हा ॥ हुं ति य स द नि वा य म हा या न
 क र्वा हा ॥ रु ठ ॥ हुं क र्वा हा ॥ हुं ति य स द नि वा य म हा या न ॥ व र्मा ॥ हुं क र्वा हा ॥ हुं ति य स द नि वा य म हा या न

अथादिषदंगमूर्यमलुप्रधान ॥ ॐ संखंडययादित्यमलुनवकिर्ती निवचेतना मयेष्टी
 मलकामकलाकालिकायिबुदमर्थनिवदयामियनियस्त्राहा ॥ ॐ निविधायान ॥ ॥
 जथलसक्तिमूलजय ॥ अथगमयति ॥ अस्याकामकनाकालिकागमयति विद्यायावक्ररु
 नवाभिसिअनूद्युन्यनीमहाकामकनाकालिकागमयति दवगर्ह विजिसुहृन्किालुष
 किलकीममवक्रतयाफयविनिथागशा ॥ ॐ निवधायिर्लि ॥ अथस्मर्त ॥ अठरुजागजने
 जिन्व नलवकीलितावन ॥ ॐ सुखद्वानपागानि मालाककिंकमूहका ॥ देधतिमूलु
 मालेति रेनवतनताकुवा ॥ ॐ सुधाधान ॥ पूर्विन्धामा तागमर्नकाप्ररुखिती ॥ ॐ निधायान

मानस्त्रायवानसंपूज ॥ ॐ कामकनाकालिकायि विद्यहमेवक्रकालिये विमहीरेवेतन
 सक्तिप्रवादया ॥ ॐ निमूलजथलकिज्झाउपमयवधजलियनमगा ॥ ॐ मयकिज्झा
 द्यासिस्त्रेसिद्धिप्रदायिनिकापकलामकुसिद्धिहिरनमाभुत ॥ अथगमयति ॥ अथिन
 मयुनूतर्पया मिनमस्त्राहा ॥ ॐ यन पत्रगुनूतर्पया मिनमस्त्राहा ॥ ॐ यनममि
 तर्पया मिनमस्त्राहा ॥ ॐ यनियु ॥ सवेगुनूतर्पया मिनमस्त्राहा ॥ ॐ यनियु ॥ सु
 नूतर्पया मिनमस्त्राहा ॥ ॐ यनियु ॥ स ॥ व ॥ स्त्राहावक्रगुनूतर्पया मिनमस्त्राहा ॥ ॐ
 नसि ॥ गुनूतर्पया मिनमस्त्राहा ॥ ॐ सुखेष्टीमन्मालाकामकलाकालिकायि

नमः॥ वृत्तिपूजामनु ॥ मूलमनु नदलवाजाप ॥ इति सर्वसात्त्विकप्रसातः महावदसा
 त्तिक ॥ महाकनिकासात्त्विकप्रसातमनु ॥ वृत्तिपूजामनु ॥ अस्यमहाकनिकासात्त्विकप्रसातमनु
 विकटलेनवासिअनुमृगयन्त्यलीमहाकनिकासात्त्विकप्रसातमनु ॥ इति सर्वसात्त्विकप्रसातमनु
 सकललकासात्त्विकप्रसातमनु ॥ वृत्तिपूजामनु ॥ यदिद्येराजाविजितकनार्गन्यासीकृत्वा
 यजाविकटलेनवासिअनुमृगयन्त्यलीमहाकनिकासात्त्विकप्रसातमनु ॥ इति सर्वसात्त्विकप्रसातमनु
 वृत्तिपूजामनु ॥ महाकनिकासात्त्विकप्रसातमनु ॥ महाकनिकासात्त्विकप्रसातमनु ॥ महाकनिकासात्त्विकप्रसातमनु
 यजाविकटलेनवासिअनुमृगयन्त्यलीमहाकनिकासात्त्विकप्रसातमनु ॥ इति सर्वसात्त्विकप्रसातमनु

नकांकुनुरवाम ॥ वृत्तिपूजामनु ॥ अस्यमहाकनिकासात्त्विकप्रसातमनु ॥ महाकनिकासात्त्विकप्रसातमनु
 वृत्तिपूजामनु ॥ महाकनिकासात्त्विकप्रसातमनु ॥ महाकनिकासात्त्विकप्रसातमनु ॥ महाकनिकासात्त्विकप्रसातमनु
 सिद्धयपिनियाग ॥ वृत्तिपूजामनु ॥ यदिद्येराजाविजितकनार्गन्यासीकृत्वा ॥ अथ ॥ यामि
 नकांकुनुरवाम ॥ वृत्तिपूजामनु ॥ महाकनिकासात्त्विकप्रसातमनु ॥ महाकनिकासात्त्विकप्रसातमनु
 या ॥ स्वर्गयानकपालेन ॥ इति सर्वसात्त्विकप्रसातमनु ॥ महाकनिकासात्त्विकप्रसातमनु ॥ महाकनिकासात्त्विकप्रसातमनु
 यागिपिमाता ॥ वृत्तिपूजामनु ॥ महाकनिकासात्त्विकप्रसातमनु ॥ महाकनिकासात्त्विकप्रसातमनु ॥ महाकनिकासात्त्विकप्रसातमनु
 सजाजा ॥ इति सर्वसात्त्विकप्रसातमनु ॥ महाकनिकासात्त्विकप्रसातमनु ॥ महाकनिकासात्त्विकप्रसातमनु ॥ महाकनिकासात्त्विकप्रसातमनु

[illegible][illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

॥ सावायनिकै वीसा दोत्ये नवक मुरु यिजीगा आरावल्कि संस्मृ लयालया
मसिमावे ॥ मानसायवने ॥ सूर्य मूल दल धाज्या जय ममय ॥ मूल वीद का जयन
वार्य पूरय ॥ षष्ठि धाजयन मय ॥ द्वावि सत का जयन नवय ॥ लुंथक ॥ ७ वी विधा
कृत्वा वद जलिया ॥ ७ ॥ आरावल्कि सर्वानि सर्व कर्म पुर्वे कि नि ॥ आलाया मद लय हि
पाप मय रु सर्व त ॥ अथ आस ॥ प्रथम मात का आस ॥ अथ लकि आस ॥ अथ लकि
आस ॥ मस्य ॥ कि न्या सस्य पुका से नव कालि ननु सु पुर्वे द प्री मरु का ली का मुक्
ल कि ८ सर्वे लका प्रदा कालि का दवना दू वी जय ॥ ८ ॥ कालि प्रका ल ॥ मम सर्व

लकि सिद्धय वि लया ग कृत्ति वेद जलि ॥ वीजन वदी ययुक्त नव नाह आस ॥ आन
सुक्ता कि नदी यय ॥ कालि का आस सिद्धि दा ॥ द्वाधा नमू रवी ॥ अथ मा ॥ मूल माता
विह विगा ॥ विन मन्त्री क नोला धानि लठ क धना लिव ॥ लिव लकि धनानि न कि न धान
यत्राय ल ॥ मानसायवने ॥ सूर्य मूल दल धाज्या सर्मय आस क्रिय ॥ अथ प्रवृत्ति पुका
कालिका ॥ लकि कालि काय नमः ॥ वा ॥ वाम पाद ॥ दक्ष पाद ॥ ७ मु वि कठ कालि का ॥ वा
मु कठ ॥ ७ डी द विजी ॥ ७ ॥ दक्ष कठ ॥ ७ अथान मूर्वी ॥ ७ नाल ॥ ७ हं मद्रा हल
सिना ॥ ७ व ॥ ल ॥ ७ मु निगाम लिति ॥ ७ दं का ॥ ७ मु मि ययता ॥ ७ कठ ॥

[illegible][illegible]

इति विष्णु कालिकायै निवसुखाहा ॥ ३५ ॥ दंष्ट्रिणी वालिकायै नि
 वेद ॥ ३६ ॥ धान कालिकायै कवचाय ॥ ३७ ॥ ३८ ॥ सुहासकायै
 ॥ ३९ ॥ निनामालिनी कालिकायै ॥ ४० ॥ ४१ ॥ ४२ ॥ ४३ ॥ ४४ ॥ ४५ ॥
 ४६ ॥ ४७ ॥ ४८ ॥ ४९ ॥ ५० ॥ ५१ ॥ ५२ ॥ ५३ ॥ ५४ ॥ ५५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥ ५९ ॥ ६० ॥
 ६१ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥ ६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥ ७१ ॥ ७२ ॥ ७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥ ७९ ॥ ८० ॥
 ८१ ॥ ८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥ ८५ ॥ ८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥ ९१ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥ ९४ ॥ ९५ ॥ ९६ ॥ ९७ ॥ ९८ ॥ ९९ ॥ १०० ॥

यमो कृत्वा कथाया सर्ववीज पुदा ॥ १०१ ॥ १०२ ॥ १०३ ॥ १०४ ॥ १०५ ॥ १०६ ॥ १०७ ॥ १०८ ॥ १०९ ॥ ११० ॥
 १११ ॥ ११२ ॥ ११३ ॥ ११४ ॥ ११५ ॥ ११६ ॥ ११७ ॥ ११८ ॥ ११९ ॥ १२० ॥ १२१ ॥ १२२ ॥ १२३ ॥ १२४ ॥ १२५ ॥ १२६ ॥ १२७ ॥ १२८ ॥ १२९ ॥ १३० ॥
 १३१ ॥ १३२ ॥ १३३ ॥ १३४ ॥ १३५ ॥ १३६ ॥ १३७ ॥ १३८ ॥ १३९ ॥ १४० ॥ १४१ ॥ १४२ ॥ १४३ ॥ १४४ ॥ १४५ ॥ १४६ ॥ १४७ ॥ १४८ ॥ १४९ ॥ १५० ॥
 १५१ ॥ १५२ ॥ १५३ ॥ १५४ ॥ १५५ ॥ १५६ ॥ १५७ ॥ १५८ ॥ १५९ ॥ १६० ॥ १६१ ॥ १६२ ॥ १६३ ॥ १६४ ॥ १६५ ॥ १६६ ॥ १६७ ॥ १६८ ॥ १६९ ॥ १७० ॥
 १७१ ॥ १७२ ॥ १७३ ॥ १७४ ॥ १७५ ॥ १७६ ॥ १७७ ॥ १७८ ॥ १७९ ॥ १८० ॥ १८१ ॥ १८२ ॥ १८३ ॥ १८४ ॥ १८५ ॥ १८६ ॥ १८७ ॥ १८८ ॥ १८९ ॥ १९० ॥
 १९१ ॥ १९२ ॥ १९३ ॥ १९४ ॥ १९५ ॥ १९६ ॥ १९७ ॥ १९८ ॥ १९९ ॥ २०० ॥

जासुवाये...
द्विज...
ट्या...
मामता...
सा...
विश...

ॐ नमः ॥ ऐं हूं ॐ सं सः सर्वं कांतिनी कांति ॥ वाम कर्ण ॥ ऐं हूं ॐ सं सः सर्वं
सं सः कांतिनी कांति ॥ दक्ष कर्ण ॥ ऐं हूं ॐ सं सः सर्वं कांतिनी कांति ॥ रु मां ॥ ऐं हूं
ॐ सं सः सर्वं कांतिनी कांति ॥ नल ॥ ऐं हूं ॐ सं सः सर्वं कांतिनी कांति ॥ दक्ष कर्ण ॥
नल ॥ ऐं हूं ॐ सं सः सर्वं कांतिनी कांति ॥ दक्ष कर्ण ॥ ऐं हूं ॐ सं सः सर्वं कांतिनी कांति ॥
ॐ सं सः सर्वं कांतिनी कांति ॥ दक्ष कर्ण ॥ ऐं हूं ॐ सं सः सर्वं कांतिनी कांति ॥ दक्ष कर्ण ॥

निर्विकल्पकः ॥ यन्मन्त्रं लोकांशं भूमीं च ॥ सर्वसिद्धिप्रदाकः ॥
हस्रकृष्णः ॥ हस्रकृष्णः ॥ हस्रकृष्णः ॥

[illegible]

ॐ कौकलिकालिका प्रियं दुर्गा पूजा तामि दूष्टतमः स्वाहा ॥ १०॥ १०॥ १०॥ १०॥
 कलिकालिका ॥ १०॥ १०॥ १०॥ १०॥ १०॥ १०॥ १०॥ १०॥ १०॥ १०॥
 कलिकालिका ॥ १०॥ १०॥ १०॥ १०॥ १०॥ १०॥ १०॥ १०॥ १०॥ १०॥
 माजीवलिकालिका ॥ १०॥ १०॥ १०॥ १०॥ १०॥ १०॥ १०॥ १०॥ १०॥ १०॥
 ॐ नमो ॥ १०॥ १०॥ १०॥ १०॥ १०॥ १०॥ १०॥ १०॥ १०॥ १०॥
 दूष्टतमः स्वाहा ॥ १०॥ १०॥ १०॥ १०॥ १०॥ १०॥ १०॥ १०॥ १०॥ १०॥
 मास नूजा स्वाहा ॥ १०॥ १०॥ १०॥ १०॥ १०॥ १०॥ १०॥ १०॥ १०॥ १०॥
 १ निदि २ २२

मन्त्रायथा ॥ १०॥ १०॥ १०॥ १०॥ १०॥ १०॥ १०॥ १०॥ १०॥ १०॥
 दुमदविलम्बसादात्महन्त्री ॥ १०॥ १०॥ १०॥ १०॥ १०॥ १०॥ १०॥ १०॥ १०॥ १०॥
 स्वस्वाहा ॥ १०॥ १०॥ १०॥ १०॥ १०॥ १०॥ १०॥ १०॥ १०॥ १०॥
 न ॥ १०॥ १०॥ १०॥ १०॥ १०॥ १०॥ १०॥ १०॥ १०॥ १०॥
 उदार्न ॥ १०॥ १०॥ १०॥ १०॥ १०॥ १०॥ १०॥ १०॥ १०॥ १०॥
 जमूलप्रसन्नहृद्यकाल ॥ १०॥ १०॥ १०॥ १०॥ १०॥ १०॥ १०॥ १०॥ १०॥ १०॥
 मम सर्वकृन्तन ॥ १०॥ १०॥ १०॥ १०॥ १०॥ १०॥ १०॥ १०॥ १०॥ १०॥

सर्वगुणान्तरं लया जगत्सर्वं ॥ कुरु नमो ब्रह्मा ॥ हन्ति कुरु ॥ १७ ॥ यत्नम्
 यदि जगत्सर्वं ॥ १८ ॥ तत्सर्वं विष्णु ब्रह्मा ॥ हन्ति नमो ब्रह्मा ॥ १९ ॥ अथ ॥ २० ॥
 म्यादाह का वक्रवर्गुनसं लिखनं ॥ २१ ॥ द्वा द्वी मरुभवा ॥ २२ ॥ वदथा पमत्वाहा ॥ २३ ॥ यद्विम
 न्तं ॥ २४ ॥ गुरु ॥ २५ ॥ तमन्त्राहा ॥ २६ ॥ यत्नम् ॥ २७ ॥ यत्नम् ॥ २८ ॥ यत्नम् ॥ २९ ॥
 ॥ ३० ॥ यत्नम् ॥ ३१ ॥ यत्नम् ॥ ३२ ॥ यत्नम् ॥ ३३ ॥ यत्नम् ॥ ३४ ॥ यत्नम् ॥ ३५ ॥
 ॥ ३६ ॥ यत्नम् ॥ ३७ ॥ यत्नम् ॥ ३८ ॥ यत्नम् ॥ ३९ ॥ यत्नम् ॥ ४० ॥ यत्नम् ॥ ४१ ॥
 ॥ ४२ ॥ यत्नम् ॥ ४३ ॥ यत्नम् ॥ ४४ ॥ यत्नम् ॥ ४५ ॥ यत्नम् ॥ ४६ ॥ यत्नम् ॥ ४७ ॥

हा ॥ ४८ ॥ यत्नम् ॥ ४९ ॥ यत्नम् ॥ ५० ॥ यत्नम् ॥ ५१ ॥ यत्नम् ॥ ५२ ॥ यत्नम् ॥ ५३ ॥
 ॥ ५४ ॥ यत्नम् ॥ ५५ ॥ यत्नम् ॥ ५६ ॥ यत्नम् ॥ ५७ ॥ यत्नम् ॥ ५८ ॥ यत्नम् ॥ ५९ ॥

अन्ना मरुभवा

ASIA ARCHIVES